



→ है कान्हा तेरा मोह इस तरह से छागया है।

मेरे हाथों भी लकड़िये तो दुने लियी है
ब्यों सोचुँ में क्या हो जायेगा
क्यों हुआ ऐसा सवाल नहीं होगा
कुंजों कता तो सब मला ही होगा॥

है कान्हा तेरा मोह इस तरह से छागया है॥

मुझे ही नहीं पता कु किस तरह समागया है।
मेरी काया में तो सिर्फ दु बस गया है।
मिल गयी है दुनिया की खुशियों मुझे
जब से हैं पारा बरोदा ही गया है।

है कान्हा तेरा मोह इस तरह छा गया है॥

मतलब नहीं दुनिया से मुझे, क्या कहती है
दुनिया की सोच में बहुत बदलाव आ गया है।
मैं तो इस तरी दीवानी हूँ वस प्रीत दुखों
लगाई है।

दीत क्या रास्ता की न बानू मैं
मेरे जीवन के रास्ते का दु सहारा हो गया है।

है कान्हा तेरा इस तरह से छा गया है।

M T W T F S

रख लै संभालकर तेरे आँचल में
सो जाकर सबसे दिपकर तेरी गोद में
ये खोलीपन भर दे अपनी छाव से
ये झाँझा मन सुलझा दे तेरी पुकार से
ये रुठी सी लागे बिंदी मुझसे
मुझे तो साथ काफी है मिला हुआ हुक्म

रकु आराम का जहाँ है तेरे नाम में
रकु जन्मत का रवानी मिलता है तेरे प्यास में
में तो हुक्म से ही बनी हुई
में तो हुक्म से संभाली हुई/
दृष्टि तेरे सांग चलूँ में
रक से वस यही हुआ मारू मैं//

हर पल खाली सा लगता है,
आपके बिन कहाँ मन लगता है।
मेरी बिंदगी का हर पल आपसे है।
बिन आपके दादी माँ कहाँ मन लगता है॥

एक आपके जाने से जो छा गयी है कमी,
एक आपके न होने जो आ गयी है नमी।
कमी आपकी कमी पुरी भर्ही हो सकती
आपसे मिली खुशियाँ कहाँ से नहीं मिल सकती।

हमारी बिंदगी तो आपसे ही है,
अब कहाँ रोशन सवेरा है।
मेरी प्यारी दादी माँ
आपके बिना कहाँ बिंदगी का बसेरा है।

मत देना दृश्य दर्द उसे
वो भी किसी की छेटी है,
मन्त्रपूरन छोड़ माँ-बाप का घट
तेरे आँगन चली आई है॥

अपने सपनों को आग-लगाकर
तेरी खुशियाँ मन में सजाई हैं।
उसका भी कुछ हक बनता है,
जिसने तेरे लिए खुदको त्यागा है।

अपनाओं असे लहरी जैसे
जयों अपसरुची बनाया है।
अरे तेरे सम्मान के लिए
उसने तो कह कहाँ को भेला है॥

दृश्य के लिए जिसे तुम
कष्टों का संसार देते हों,
सोचो हमेशा वो घट को तुम्हारे
खुशियों से भरके रखती है॥

सोचके अपनी घर छेटी की
बहु को व्यवहार कर
मत झूल तेरी छेटी मी
बहु बनने को आई है॥

Saycane by Anandita

कुछ सहाम सी जिंदगी है हमारी,
जो दुनिया के कारण सकी हुयी है।

पढ़ने दो भागे हमें, लेने दो शिखा हमें/
क्षुर क्या है हमारा जो मारा जाता है हमें
क्षुर क्या है हमारा जो धरों में
वैनाया जाता है हमें/

इस जिंदगी के हमारे क्वई पल नहीं क्या
इसे जीने को हमारे लिए कोई उल नहीं क्या॥

जीने दो जब जीवन लिखा हमें
रहने दो जब घट आँगन मिला हमें॥

हम भी लड़ते हैं समझते हमें
हम भी कुछ कर सकते हैं, पहचानते हमें॥

शुभाइश है हमारी बढ़ते हम इस दुनिया के
शुभाइश है हमारी कि बढ़ते ये दुनिया भी॥

Sayeed by Arunabha

मजिल तक जाना है, तो कौटों से गुजरना होगा,
खबोले अपने कदम आगे बढ़ा दू।
उठ खड़ा हो अपने कदम बढ़ा दू।
दुनिया में अपना नाम लगा दू॥.

उर मत उन रस्तों से, वही तेरे साथी है।
भाग मत उन मुरिक्लों से, वही तेरी मार्गदर्शिका है।
जग में समान पना है, तो लोकरों को खाना होगा।
खड़ीसला और अपनी पहचान बनादू।
उठ खड़ा हो - - - - -
दुनिया में अपना - - - - -

मत दे ध्यान लोगों की बातों पर
उनकी बातें तुझे नीचे गिराने वाली होंगी,
हँसेगी दुनिया तुझ पर गौर मत करने पर
दुनिया तेरा नाम छोड़ेगी, वस अपनी पहचान बनादू।

उठ खड़ा हो - - - - -
दुनिया में अपना - - - - -

Sayeeda by anand

रख लिखी हई कहानी है मैं
पढ़के समझलो क्या है मैं।

लोगों की गति को सुनकर,
मत बतलायो क्या है मैं।
सरल सा स्वभाव मेरी,
चंचल सी बातें मेरी,
बाँट है खुशियाँ उजार
ऐसे दिल की सुभानी है मैं।

ज़िंदगी को छोटे
पलों में भी,
ऐसी सुहानी सी जिंदानी मेरी
करवी है खुशियों को इकठा इनसे
ऐसे पलों की दिवानी है मैं।

दृढ़ सको तो ढूँक्लो भड़को
पतले से जिंदगी के पुनरो में,
ग्रामी सी जिंदगानी है मैं।
रख लिखी हई कहानी है मैं
पढ़के समझलो क्या है मैं।

Sayeeda by Anasoli

यूँ तो दुँहे से नहीं मिलता
खोजलो उबारो रालियो को
मिलेगा एक अंजाने रस्ते में।

साध देने से कभी मुक्तेश्वर हो
जीवन का सच्चा साधी बने जाए।

मुस्कुलों में अकेला नहीं छोड़ा
चिंता छुद्दे खादा आपकी करेगा।

एक ऐसा इसान लेवल दौरेत ही होगा।

Sayana by Anandi.

चाहेगा तम्हीं अपने घरवालों के पैसा,
बन जायेगा तेरा अपना बो
देगा साथ परछाई के पैसा
बन जायेगा तेरा साया बो॥

हजार बुरी नपरों से बचाता है जो/
एक दोस्त ऐसा होता है बो॥

साथ देगा सुरज सा चमकने में।
धूप से बचाने छाया बन जायेगा बो।
मुश्किल वक्त में साथ नहीं छोड़ेगा।
सरलता की बजाए बन जायेगा बो।

हजार बुरी - -----
एक दोस्त - -----

तुझे बुरा कहने वालों से/
वाणिजक लड़ जायेगा बो।
तुझे सलामत रखने के लिए/
भगवान से भी रक्खयेगा बो॥

हजार बुरी - -----
एक दोस्त - -----

करों सोचो कल की दु
कल तो तेरा चला गया।
ज्यों बोले कीरे पल की दु
पल सो तेरा निकल गया।

महसूस कर दु भीती गलती
और सोच आगे के कल की दु
आज को चोहत बना के
कल को स्वर्ग बना दु।

कर मेहनत लड़ दु कोटो से
दुल के लिए फुल बना दु।
यह रात्रि छुले भास्मों को
स्वर्य को चोद बना दु।

दोसलों की भरके झान पौखों में
दिलों में सबके स्थान बना दु।
मधुर वाणी से अपने अँदर की
सबके दिल पर राज बना दु।

बनाकू चंद पलों को अपने
सुकून की सुख रात बना दु।
सोचके अपनी खुशी को
हर पल मीठी मुस्कान बना दु।

Sayona by Aarti

बहती सी ये हवार हैं,
बहु जाऊँ इनके सांग मैं
चलती सी ये किजायें हैं।
जें जाऊँ इनके रंग मैं॥

क्यों काटो इन बुद्धों को
इनसे खुड़ी जीवन की पर्तग है।
रहने दो इनकी साक्षों को बिदा
इनके गिना हमारा जीवन भ्रंग है।
तेरे गुज्जारे को लालड़ी देते
तोड़के अपने बमड़ को
रामी की छाया देते हैं।
फैलाउ अपने पंख को॥

खाने को फल-झल देते हैं
गिराके सुखता के बीब-मटको
जीवन अका अपने जैसा है।
समझो इस मूलमत्र को॥

फिर चली रुक - - -

M T W T F S S

एक विचार आया भाष्य मन में
बोध सारी जनतों को दुनिया के महल में.

फिर चली रुक अन्धान राते पर
दूँने खुरी के पलों को
देखा चाहों दिशाओं में नज़र वापिस करी
सोचा लौट आ यहाँ से - किस बात की है देखी /

फिर चली रुक अंधोरी सी राते पर
दूँने रोशन सी किरण को
निकला शुर्य कैला उखेला
किया किरणों ने छा में वसेरा
पर मुझसे नपरे मिलाई नहीं /

फिर चली झूठ की दुनिया में
दूँने सत्य से साझी तो
बहाये कदम और दिल में छाल आया
करों निकला इस मार्ग में
यहाँ तो मतलब के लोग हैं /

Augst.

जिंदगी एक परिदा है

खुले आसमान में 35नों दो।

कौठों की राए से शुभरती है।

अपनी मोबिल तक पहुँचने दो।

सलावट मत बनो उसकी शाद में

कुछ पलों को खुद में समर्टन दो।

उड़ान अपने पेंखों में कुछ युँ भरो
मंजिल को पाने का बुन्दून कुछ युँ रखो
युँ रोशनी को बाहर तु दूल्हा है।
जालती हुई मसाले तो तेरे ही आदाहै।
रखलो ये जल्म अपने इस चोट पर
उड़ाना उआ धायला परिंदो तो तेरे आदाहै।

रह्या था खुदको समालक

पता नहीं कहो खो दिया अपा ॥

समझा था खुदको पहचान को

पता नहीं कहो लहका दिया अपा ॥

जल्लवी हुई सी लो बन गई

पता नहीं कहो औरों सा बना दिया अपा ॥

Saurabh - by A.

एक राह बना लै अपनी
एक सांस बना लै अपनी //
ऐसे पिंडी में ये रव
मुक्तमल है खुद से जवा //
ज्या है दुनिया ये देख लिया .
ज्या है रसों की फिरत ये पताचवा //
ज्य सौख्यना है दुसरों की
कोई यहाँ अपना नहीं है //
खुद में बेखुबां हो भाट
बस खुद में ही खोला हु //

Sureena by Arandi

दिलों में कुछ चादे बनालूँ

दो पल बिंदी के मुखरा के बीलूँ /

किसलती हुई बिंदी का नहीं है ठिकाना

किस पल में अपने-आप को फरियाद बनालूँ

आमोश हो वास्ती सारे भी बिन बताएँ

धरा तक कुछ बिंदी के लम्हों को बासबनालूँ

खोये हुए से राते पर हुँदे लूँ वज्र के अपने
विष्वरी हुक्के सी जिद्दी में

एना लूँ तकदीर को अपनी ॥

फीकी सी लगती है राते

खो भाकु रेतानों में अपने ॥

बस खुद में ही भी लूँ में

कर लूँ इकट्ठा रहानों को अपनी ॥

M	T	W	T	F	S	S



दु क्योँ मुझमें खोया हुआ सा है।
दु क्योँ सक्त भरसा समाया हुआ सा है।
ये दिल क्युं तुझे तेलासता हुआ है।
ये पागल तेरे लिए जना हुआ है॥

Souvenirs by Aman

रुक सुहाने से लम्हे को तलार के
तुझमें ही यो घाँसी
मुझे आऊँ तन आशियाने के रास्तों पे
जहाँ याराना हो उमारा
मिल घाये ये दिल - फिल से
बस इस पल को ही मैं चाहूँगी //



तेरी

सुक भूलक पाने को ।

इन गलियों से गुजरते हैं हर पहर ।

तेरी सुक हाँ के लिए ।

कोरिश करते हैं हर तरह ।

क्या हाल है मेरा पता नहीं है मुझको ।

दुबे रहते हैं तेरे छालों में रात भट्ट ॥

Laycana by Shashi

बन जाऊँगी तेरी घिंदगी को लहर में
अपने हिस्से का बरिया बनाके तो देखा
गल जाऊँगी तेरी ही भादतों के छहर में
अपने हिस्से का बरिया बनाके तो देखा॥

सा थिल भाइ तेरी बिंदी में
क्यों सा थोड़ा भाइ तेरी रातों में
के सुहाने लम्हों को
जू दिल के पिटारे में
अलग दुनिया एक भाइ तेरी रातों में

क्या बतारूँ आपको किस तरह से
मुझमें समारूँहुए हों /

ज्यूँ इस तन्हा दिल को बाइकाये
हुक हों /

यूँ न खगड़ये दबाव भरी रुद्धि को मेरी
मिलने का अकृत मन है,

ज्यूँ फ़िरभाई करवाये हुए हों /

वरन् निकलके भाना उमरे पास

ज्यूँ इस दिल को तड़पाये हुए हों /



बैठा लिया है तुझे नजरों में
वहस पाना चाही है।
मेरी अछूरी सी बिंदगी में
वहस देरा होना चाही है।
लाल पड़े हे देरा रखते पर आ
वहस तुझ तक पहुँचना चाही है।
जान जास्ते स्कूल दिन आपके
खो भारी स्कूल दिन आपमें
वहस इस दिल की ओत वतान बढ़ी है।

Sayyara by Anupadevi

पता नहीं क्युँ रुक आहट सी है तेरी दिल में
तेरी बातों से मिली रुक राहट सी है दिल में
मन तो बहल भाता है सबकी बातों में
लैकिन तेरी बातों से सुखन की चाहट सी है दिल में

सूक्त
लमेहा जी कु तेरे साथ
यु तनहा रह जाके तेरे पास
झुठा सा हो गया है ये जहाँ
समेट ले तेरे आँचल में मुझे माँ
तेरी याद बहुत आने लगी है माँ॥

Sangeet by A. T.

खेल नहीं मुझको मापनी
देखके तेरी आँखों को

समझ नहीं मुझे दिल की
देखके तेरी अदाओं को

क्या भासमां सा छाया हूँ जल्दों का
खोया रुद्धको इस तरह कि तेरी वालों में पाया

~~क्यूँ~~ निराश करते हों

जोल उमेशा छुश देखना चाहते होंगे

~~क्यूँ~~ बोवाजै चुप रहते होंगे

जोल बहुत कुछ बहना चाहते होंगे।

क्या बच्चे हैं कुछ मल्फाज में ही पढ़ा

जिंदगी का कुछ हमें भी अदा करो।

~~ये~~ जंघान ने बनो लातो रसे

लकड़ों से दोहराताम्ब रसे।

भुस्कुराएटों को छुट्टी पर टोरा रखा है।
एट से निकलते ही पहल लेते हैं चोले पट

Suganya → by Anandhi

ਅੰਦਰੂਨੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ
ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਮਿਲਾਨ
ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਮਿਲਾਨ

प्रदानी लाभ समैक्य अपने आपसमें
दृष्टिकोण मिशनरी की जगत् दृष्टि दृष्टि

ਕੂਝ ਰਾਗੀਵਨ ਸਾ ਮਹਿਸੂਸ ਹੋ ਰਹਾ ਹੈ ਆਖ

ਪਟਕੇ ਭੀ ਰਾਗ ਕੂਝ ਪੂਰਾ ਹੋ ਰਹਾ ਹੈ ਆਖ

ਲਿਸ਼ਕੋ ਚੁਨਾਕ ਕਿਤਨਾ ਹੈ ਲਿਜਲ ਮੈ

ਧਾਰੀ ਤੋਂ ਹਰ ਕੁਝਾਨ ਅਖ਼ਰਤ ਪਿਛੇ ਹੈ

ਧਾਰੀ ਦੀ ਰੱਦ ਹੈ ਆਖ !

आपा

फिर सक शाम आइ

दिला मेरि पही दे सा 36T

कि आप मेरे द्वंद्वे रोकर सोना है।

और ओल मेरे हुए-हुए के जीवा है।

ਮत ~~ਪੁਣੀ~~ ਮੈਰੀ ਰਾਨੂ ਪਾਧਲ ਕੁਛਾਂ ਹੈ।
ਕਹੇਗਾ ਉ ਰੋਖ ਯਾਦ ਬਾਬੇ ਜਿਸੇ ਸਜ਼ਾਪ ਦੀ ਹੈ।
ਛਲਾ ਥਾ ਕਿਥੋਂ ਤੇ ਸਮਝ ਲੇਣਾ ਤਕਵਿਜ ਹੈ ਮੈਰੀ
ਲਾਡੇ ਟੀ ਸਮਝ ਲੇਣਾ ਬਾਹੋਂ ਹੈ ਸੇਰੀ।

कुछ भल्काय दो छारे,

जैकिन कैसे पर्याँ कक् ।

लफज ठहर चारा छारे,

कृसे रङ्गिअत लग् ।

कुछ तुम भी समझ लेना

देखना चैहरे को छारे ।

वस धोड़ा सा ही कुछ कह देया

समझके इशारे को छारे ।

तुम्हारा हुआ सा है।

तुम्हारा बहका हुआ सा है।

दिल की स्फुट आवाज तो सुन
तेरा ही नाम सुनाइ देगा है

धड़कनों को सीनि से टोलगा।

तेरी ही जान भरी हुई होगी।

इस कदर से तेरे संग समझने लगी
तेरी आदतों में यु बोलने लगे ।
लाहों में तेरी यु सवार घाके ।
मौत के भान का भी पताने लगे ॥

हुए कुछ दिनों से बैचैन सी में
सक फर पैदा हो गया है दिल में
थोंन दु तुझे युं लगा रहा है
बजाए क्या है ये पता नहीं है
वक्त क्या चल रहा ये खबर नहीं है
शाफ तुझ पर बिकूल नहीं है
बस भरोसा रखते में अपने वाले
लोगों का नहीं।

कुछ बातों को मूलांक सोचा करी
रिश्तों की ऊर का भरोसा नहीं
किस हत्याट से हर जाये /
बिल्ले शिक्कों को मिटाकर सोचा करो—
भास्सों का भरोसा नहीं
किस घर पर रह जायें॥

Sayana by Anand.



लियही हुक्के तुझसे सब कहानी हुई,
बिंदी की बनी हुक्के तेरी परदाई हुई,
यू खुशी मिलती हुई तुझसे आते भूमि से,
धस तेरे फूल में वसी हुक्के रागती हुई।

Sayyaan by Anand

पूर्णी मिलली बनाई है।
पाने का खुजून रखती है।
मेहनत, यश की आदि बनाई है,
मुस्कला से लड़ने का साधन रखती है॥

एक सौस मालके दिनों से हर नव दिन बढ़ती

जोड़ वी लेता है रोमांच

प्रश्न यह जूनी यह जीवनी है